14.00 hrs.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Workers cannot help that.

SHRI CHITTA BASU: How can the workers help it?

MR. DEPUTY-SPEAKER: They have to get it.

SHRI CHITTA BASU: The workers have to tighten their belts. Sir, the deficit has been kept at this estimated level on the basis of the two factors—(1) drawing of loans of Rs. 530 crores from the I.M.F. about which it has been discussed at great length. The net external assistance is of the order of Rs. 1,252 crores. Therefore, my remark is sharp. This deficit has been kept at the present level by way of drawing loans from the International Monetary Fund and also the amount of external assistance. Therefore this budget is framed by external assistance and loans from the I.M.F. Lastly, Sir, I apprehend that this is a prelude to the attacks on the working class. That is my last point. You will allow me to make my point here. The Economic Review says:

> "A combination of policies which increase productivity, while at the same time restraining the growth of money incomes within the limits of real productivity growth will have to be pursued in order to restrain cost-push factors."

Sir, it is very significant.

The Prime Minister is reported to have referred to low productivity-high cost economy. The Survey also refers to demand management policies. All this is threat to the working class and indicates that the Government is contemplating in terms of imposing the policy of wage freeze. Policy of wage freeze means greater resistance from the working class. Greater resistance from the working class means fears are uttered from their side. Therefore, these proposals are a prelude to further attacks on the working class of our community. That being so it is not possible for me or anybody on this side of the House to extend support to these proposals. I oppose it.

14.03 hrs

STATEMENT RE: RESUMPTION OF TALKS WITH SHRI LALDENGA

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI ZAIL SINGH): The House is aware of the efforts which the Government have been making to bring about complete normalcy in Mizoram. It may be recalled that Shri Laldenga came to India in January, 1976, in pursuance of efforts to solve the Mizo problem. With the change in Government in 1977, the talks did not proceed satisfactorily and were called off by Shri Morarji Desai's Government in March, 1978. Following an increase in violence in Mizoram, Mizo National Front and its organisations were declared unlawful under the Unlawful Activities (Prevention) Act. 1967.

With the return of Smt. Indira Gandhi as Prime Minister efforts to find a settlement of the Mizoram problem were resumed. Shri Laldenga called on the Prime Minister and offered his services for restoration of normalcy in Mizoram. I am happy to inform the House that his two meetings with the Prime Minister have led to an agreement. On behalf of the Mizo National Front Shri Laldenga has agreed to stop all underground activities with effect from midnight of 31st July|1st August, 1980. The Government have also decided to suspend operations by the security forces from that date. This suspension will not apply to clandestine crossing of international borders and to the maintenance of normal law and order.

Meanwhile, talks will continue between the Government and Shri Laldenga. The Government are confident that talks would lead to an amicable solution of the problem in Mizoram, so that the energies of all sections of people in Mizoram can be directed towards their all-round development The Chief Minister, Mizoram has also welcomed this initiative.

Government appreciate that Shri Laldenga has stood by his earlier commitment in which the Mizo National Front had acknowledged that Mizoram is an integral part of India and has resolved to accept a settlement of all problems in Mizoram within the framework of the Constitution of India.

14.05 hrs.

FINANCE (NO. 2) BILL 1980—*contd.*

प्रो० सत्यदेव सिंह (छपरा). उपाध्यक्ष महोदय म माननीय वित्त मंत्री जी के प्रति हृदय से आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने इतना सुन्दर बजट हमारे सामने प्रस्तुत किया है। मैं ही नहीं, तुमुल हर्षध्वनि के बीच मुस्कराते हुए चेहरों से सभी माननीय सदस्यों ने इसका स्वागत किया है। जहां तक विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों का प्रश्न है, उनके सामने मजबूरी थी और मजबूरी यह थी कि पिछले सत्र में भूतपूर्व वित्त मंत्री चौधरी चरण सिंह ने जो बजट पेश किया था उसके चलते देश के सामने नये सिरे से मंहगाई आई, एक तरफ से उसके प्रभाव को रोकने का काम इस बजट ने किया है, इसलिये हमारे वित्त मंत्री जी सारे राष्ट्र के लिये स्तुत्य हैं, अभिनन्दनीय हैं। चौधरी चरण सिंह जो स्वराष्ट्र मंत्री के रूप में और वित्त मंत्री के रूप में इस देश के इतिहास में अमर रहेंगे। इस लिये कि गृह मंत्री के रूप में उन्होंने एक मात्र उद्देश्य अपने सामने यह रखा कि किस प्रकार से श्रीमती इन्दिरा गांधी को परेशान करें और इस उद्देश्य के चलते श्री जयपाल सिंह कश्यप, जी, आप जा रहे हैं, कृपा कर बैठिये, आप से भी बात करनी है...मैं निवेदन कर रहा था... **(व्यवधान)**... उन्होंने गृह मंत्री के रूप में यही कोशिश की कि श्रीमती इंदिरा गांधी को किसी न किसी प्रकार से परेशान किया जाय। श्री धनिक लाल मंडल जी जो सदन में उपस्थित हैं, उस समय गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री थे। उस समय बिहार के भूतपूर्व मुख्य मंत्री श्री कर्पूरी ठाकुर ने और श्री धनिक लाल मंडल जी की पार्टी के लोगों ने बिहार में जात-पात के आधार पर समाज का बटवारा किया, जिसके चलते वहां पर खून की धारायें बहीं...**(व्यवधान)**... इंजिनीयरिंग, मैडिकल कालिज और सभी कालेजों में, शहरों और गांवों में लड़कों का पढना और रहना मुश्किल हो गया—यह आपकी देन है। इसीलिये आप भारत के इतिहास में अमर रहेंगे, क्योंकि आप लोगों के कारण बिहार में गौतम बुद्ध भगवान महावीर, अशोक और राजेंद्र बाबू के बिहार में बहुत बडे पैमाने पर हिंसात्मक उपद्रव हुए।

आज भी मेरे पास डा० ईश्वरधारी सिंह 'केबट' का एक पत्र आया है जिसको मैं आपको दिखलाना चाहता हूं। हमारे संसदीय छपरा क्षेत्र सारन जिले के सोनपुर थाने के अन्तर्गत सबलपुर दियारा मे गाव भाईटाला है, जिसमे मुख्यतया पिछड़े वर्ग के लोग रहते हैं। यादव समुदाय की संख्या बहुत ज्यादा है, लेकिन इनके अतिरिक्त बीन, हजाम, दुसाध, चाई (जो मल्लाह जाति के लोग हैं) ये सब रहते हैं। उनकी मां बहनो की मर्यादा से खिलवाड किया जाता है। मुझे 5-7-80 को सोनपुर पंचायत विकास समिति की बैठक मे जाने का मौका मिला और वहां मुझे यह सूचना मिली कि ये लोग उन पिछड़ी जातियों के साथ इस तरह का जघन्य पाप कर रहे हैं। मै वहां स्वयं गया, पुलिस अधिकारी और मजिस्ट्रेट के साथ गया वहां के नौजवानों की आखों से आसुओं की धारा प्रवाहित होने लगी। वहां पर जितना अनाचार होता है, शायद ही भारत मे कही होता हो। आप लोक दल वाले यहा पर बागपत के काण्ड की चर्चा करते हैं, मै श्री जयपाल सिंह कश्यप जी से निवेदन करूंगा, श्री धनिक लाल मंडल जी से और अपने पड़ौसी श्री राम विलास पासवान जी से आग्रह करता हू—आप मेरे साथ वहां चलें और देख वहा कैसा अत्याचार हो रहा है। यह पत्र हाजीपुर से छोड़ा गया है, जिस क्षेत्र से भाई राम विलास पासवान जी यहां प्रतिनिधित्व करने आए हुए हैं। वे लोग अपने कष्टों के बारे में चिट्ठी भी नही डाल सकते हैं—दूसरे क्षेत्र में जाकर चिट्ठी डालनी पड़ती है। वे लोग उन अत्याचारों के खिलाफ बोलने में असमर्थ हैं, उनकी जुबान पर ताला लगा हुआ है, इतने निरंकुश अत्याचार वहां पर हो रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... उपाध्यक्ष महोदय, वहा पर गरीबों को पिछड़ी जातियों के लोगों को जाली मुकदमों में फसाया जाता है। सोनपुर प्रखंड की सबलपुर पंचायत के मुखिया तथा प्रखंड प्रमुख शिव शंकर राय मे सोनपुर थाने में उन लोगो को धमकी दी कि ये लोग मुकदमा वापस ले लें, अन्यथा पीपरा और पारसबिधा काण्ड की पुनरावृत्ति की जायगी। वहां पर सारे इलाके में आतंक छाया हुआ है, कोई बोल नही सकता है, यहां तक कि पत्र तक हाजीपुर से छोड़ना पड़ा।